ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–३८
दिनांक– शुक्रवार, १९ मई, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36.3 एवं 21.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 80 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 45 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.4 एवं दोपहर में 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(20–24 मई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 20–24 मई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाये रह सकते हैं। अगले 2–3 दिन दिनों तक मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद 23–24 मई के आसपास उत्तर बिहार के सभी जिलों में वर्षा होने की सम्भावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 38–41 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–24 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 14 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है। 24 मई के आसपास पूरवा हवा भी चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- 23–24 मई के आसपास वर्षा की संभावना को देखते हुए, तैयार मक्का की फसल की कटाई और दौनी तथा दानों को सुखाते समय सावधानी बरतनी चाहिए। जो किसान सिंचाई करने की योजना बना रहे है, उन्हें फिलहाल सिंचाई नहीं करनी चाहिए या वर्षा न होने की स्थिति में करनी चाहिए। कीटनाशकों का प्रयोग साफ मौसम रहने पर ही करना चाहिए।
- राजश्री, राजेंद्र मंसूरी, राजेंद्र श्वेता, किशोरी, स्वर्ण, स्वर्ण सब–1 वीपीटी–5204, और सत्यम जैसी लंबे समय तक चलने वाली धान की किस्में उगाने वाली नर्सरी को 25 मई से लगाया जा सकता है। स्वस्थ पौधों को सुनिश्चित करने के लिए खेत को नर्सरी के लिए तैयार करें और उसमें सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। नर्सरी में क्यारी 1.25–1.5 मीटर चौड़ा होना चाहिए, और लंबाई आपकी सुविधा के अनुसार समायोजित की जा सकती है। एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपाई के लिए 800–1000 वर्ग मीटर का नर्सरी क्षेत्र तैयार करें। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करें तथा बोआई से पूर्व उपचारित करना सुनिश्चित करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी मौसम को ध्यान में रखते हुए करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 है। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
- गन्ना फसल में अभी के समय फफूंद जनित रोग पोकाह बोईंग रोग के प्रकोप की सम्भावना है। इस रोग के आक्रमण से फसल की उपज एवं चीनी की मात्रा में काफी कमी हो जाती है। जिससे की काफी आर्थिक नुकसान होता है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम (फफूंदनाशी) दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- मूंग और उरद की पक्की फलियों की तुड़ाई करें और बाद में बोई जाने वाली फसलों में पीले मोजेक रोग पर निगरानी रखें। यह रोग एक विषाणु के कारण होता है जो सफेद मक्खियों द्वारा फसलों में फैलता है, जो पौधों से रस चूसते हैं। रोग पहले पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप में दिखाई देता है, लेकिन अंततः पत्तियां और फलियां पूरी तरह से पीली हो जाती हैं और पौधे की कार्य करने की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होती है। रोग के उपचार के लिए, प्रभावित पौधों को तुरंत हटा दें और नष्ट कर दें और साफ मौसम के दौरान स्वस्थ पौधों को स्प्रे करने के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड (17.8 एसएल @ 0.3 मिली प्रति लीटर पानी की दर से) के घोल का उपयोग करें।
- वर्त्तमान मौसम में लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। यह इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोग्रम छोआ (गुड़), 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 22.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)